कि टेलीविजन और आकाशवाणी से यह चीज जनता तक पहुंचे। अगर नहीं पहुंचती है तो क्या बकने के लिए हम लोग यहां पर हैं ?

सभापति महोदय : मैंने कल टी.वी. पर सुना 377 का जिक्र आया था।

श्री मनीराम बागड़ी : प्रेमीजी का सिर्फ नाम आया क्योंकि बाल्मीकि थे ' लेकिन सूअरों की मौत के लिए जो उन्होंने कहा वह बात नहीं आई। यह गलत है। यह नहीं होना चाहिए। ये दोनों प्रश्न मैं आपकी व्यवस्था के लिए आपके माध्यम से रख रहा हूं।

सभापति महोदय : अब आप पढ़िये।

(VII) COMPENSATION TO FARMERS IN HARYANA FOR CRCPS DESTROYES BY HULSTORN.

श्री मनीराम बागड़ी : हरियाणा में ओला-वृष्टि से फसलें बिल्कुल तबाह हो गई हैं और उनका मुआवजा भी लोगों को नहीं मिला। यहां तक कि गांव बड़ोदा और बड़ोद के चार गांव जो कि बहुत बड़े गांव हैं, पक्षापात का शिकार बने। रिश्वत न दिये जाने की वजह से उनका पैसा सरकार को वापस किया गया।

प्रान्त में बिजली की दरों की बढ़ौतरी और खाले नालों की वसूली से हालत बहुत खराब हो रही है। मैं चाहूंगा कि बड़ोदा और बड़ोदा के अन्य गांव, जिला जींद की ऐसी ही दूसरी जगह पर जो गांव बचे हुए हैं, जहाँ ओला वृष्टि से नुकसान हुआ है उनका मुआवजा दिया जाए और वसूली हर किस्म की खाले नाले, बैंक कर्जा व सरकारी कर्जा माफ किया जाए क्योंकि किसानों की हालत ओला-वृष्टि से बहुत खराब हो गई है।

(VIII) DRINKING WATTER FAMINE IN COLONIES LOCATED ALONG YAMUNA RIVER.

SHRI BHIM SINGH (Jhunjhunu) : The Central Government have dug wells along Yamuna river in Delhi to augment the drinking water supply to Delhi and New Delhi areas. With the commsssioning of these wells, conditions of serious drinking water famine have resulted in the large number of colonies located along Yamuna river in the trans-Yamuna areas. Mostly people of low and middle income group live in these colonies. The ground water level there has gone down and the hand pumps which the people of these colonies were using have become dry due to groundwater going down very low. There is great resentment in the people of these colonies. They are sitting dharna in front of wells. The situation can take and ugly turn if no steps are taken to ensure water to the residents of these colonies from these wells.

The hon. Minister of Works and Housing should immediately take necessary steps in the matter to mitigate the difficulties of the people of the area.

(IX) NEED FOR SAVING SICK CROCODILES OF THE JAWAHAR SAGAR WILD LIFE SANCHARY IN KOTA (RAJASHTHAN).

DR. VASANT KUMAR PANDIT (Rajgarh) : Sir, I do not wish to shed false crocodile tears, but I seek your permission to shed some true tears for crocodiles.

The report of the Evironment Cell of the Gandhi Peace Foundation on the Jawahar Sagar Wild Life Sanctuary of Kota, Rajasthan is indeed very disturbing. The Sanctuary was specially